यूरोप का डिजिटिल यूरो

स्रोत: द हिंदू

यूरोपीय **सेंट्रल बैंक (ECB) ने डिजिटिल यूरो को** एक नई सेंट्रल बैंक डिजिटिल करेंसी (CBDC) के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसे यूरोप में भुगतान परिदृश्य को आधुनिक बनाने के लिये डिज़ाइन किया गया है।

- डिजिटिल यूरो का उद्देश्य **मध्यस्थ बैंकों या गेटवे के बिना प्रत्यक्ष भुगतान की सुविधा प्रदान करना है।** यह नकदी के डिजिटिल संस्करण के रूप में कार्य करने के साथ **नकदी के समान गुमनामी** के स्तर को बनाए रखते हुए **ऑफलाइन भी पीयर-टू-पीयर लेन-देन** को सक्षम बनाने में सहायक है।
- ECB द्वारा प्रत्यक्ष रूप से जारी की गई CBDC को **लेन-देन लागत को कम करने के लिये डिज़ाइन किया गया है,** जिसमें **माइक्रो-भुगतान भी शामिल है,** जो वर्तमान में पारंपरिक बैंकों के लिये महँगा है।
- ECB द्वारा डिजिटिल यूरो को **गैर-यूरोपीय भुगतान प्रदाताओं के प्रति संतुलन तथा** वैश्विक प्रतिस्पर्द्धियों (विशेष रूप से अमेरिकी कंपनियों) के खिलाफ **यूरोप की डिजिटिल संप्रभुता को** मज़बूत करने के उपकरण के रूप में देखा जा रहा है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने वर्ष 2022 में CBDC के रूप में **डिजिटिल रुपया (e₹)** लॉन्च किया था।
    - **CBDC कागजी मुद्रा** का एक डिजिटिल रूप है और नियामक शून्यता में संचालित **क्रिप्टोकरेंसी** के विपरीत, ये केंद्रीय बैंक द्वारा जारी एवं समर्थित कानूनी निविदाएँ हैं।

//

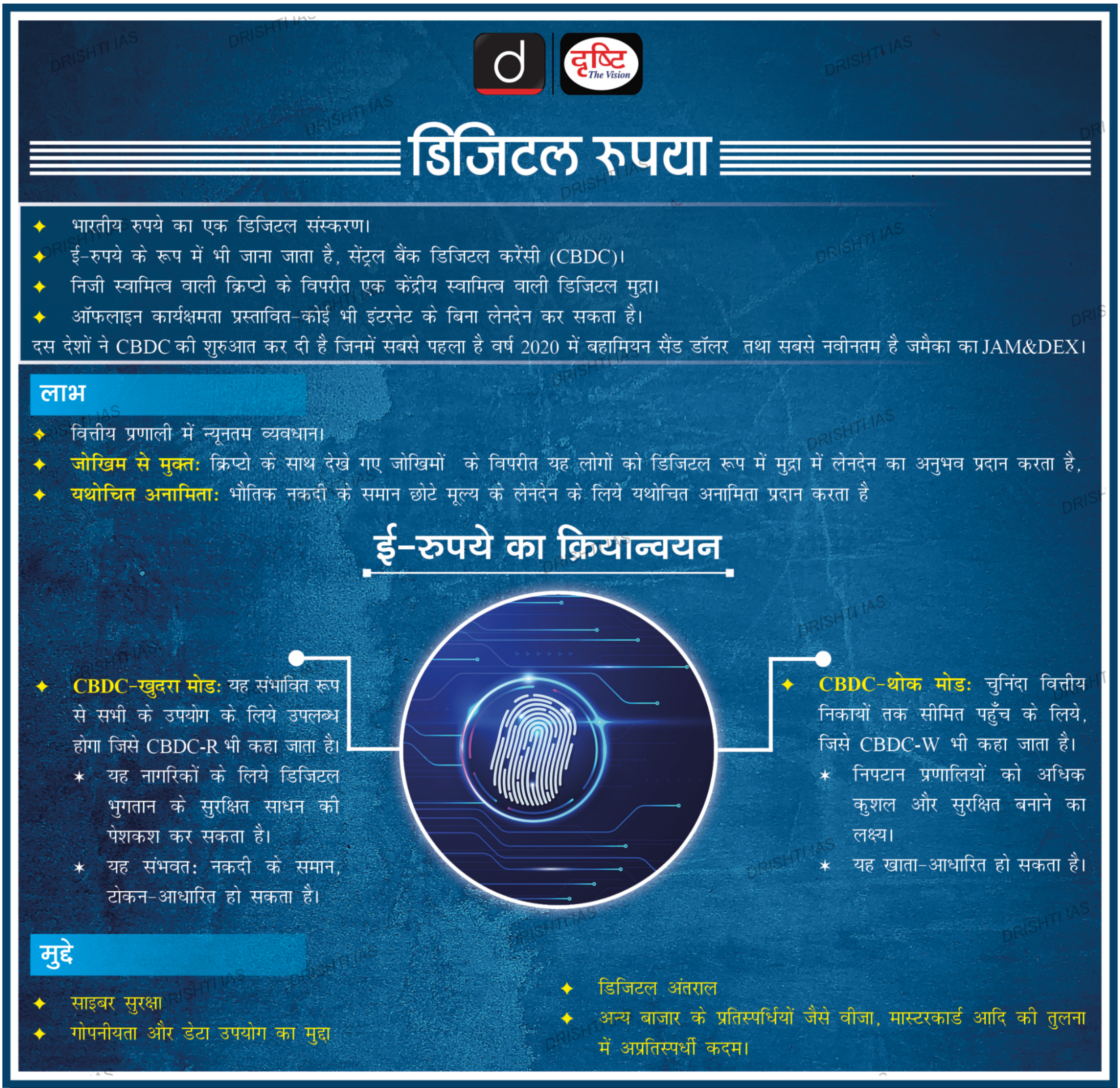

और पढ़ें: [सेंट्रल बैंक डिजिटिल करेंसी]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/europe-s-digital-euro